भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1788
बुधवार, 27 जुलाई, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

क्षेत्रीय भाषाओं में मौसम का पूर्वानुमान

1788. श्री पी. रविन्द्र नाथ:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने अनुरोध किए जाने पर किसानों को नि:शुल्क लघु संदेश सेवा (एसएमएस) के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं में मध्यम अवधि के मौसम संबंधी पूर्वानुमान की जानकारी प्रदान करने की योजना बनाई है;

(ख) यदि हां. तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने बारिश, तापमान, आर्द्रता और हवा की गति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए देशभर में जिला स्तर पर कृषि-स्वचालित मौसम स्ट्रेशन स्थापित करने की भी योजना बनाई है; और

(घ) यदि हां, तो तमिलनाडु राज्य में ऐसे स्टेशनों का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में शुरू किए गए कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ख) जी, हां। प्रचालनात्मक कृषि मौसम विज्ञान परामर्शिका सेवा (AAS) है, जो कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (GKMS) है के अन्तर्गत प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को क्षेत्रीय भाषाओं में किसानों को मौसम-आधारित कृषि मौसम परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं।

GKMS स्कीम के अन्तर्गत, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान सृजित किया जाता है, तथा उस पूर्वानुमान के आधार पर राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के संस्थानों तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) आदि में स्थित 130 एग्रोमेट फील्ड यूनिट्स (AMFUs) अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले जिलों के लिए तथा उनकी लोकेशन के जिले के ब्लॉकों के लिए प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को कृषिमौसम परार्शिकाएं तैयार करके किसानों को भेजते हैं, ताकि किसानों को उनके दैनिक कृषि कार्यों में निर्णय लेने में सहायता मिले।

जिला स्तरीय AAS के सफल कार्यान्वयन के पश्चात, ब्लॉक स्तरीय कृषिमौसम परामर्शिका सेवाओं (AAS) के कार्यान्वयन हेतु ICAR के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्रों (KVKs) में जिला कृषिमौसम इकाईयां (DAMUs) स्थापित की जा रही हैं। अभी तक, ICAR नेटवर्क के अन्तर्गत देशभर के कृषि विकास केन्द्रों में 199 जिला कृषि मौसम इकाईयां (DAMUs) स्थापित की गई हैं, तथा ये DAMUs अपने-अपने जिलों हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तरीय मौसम पूर्वानुमानों के आधार पर जिला एवं ब्लॉक स्तरीय कृषिमौसम परामर्शिकाएं तैयार करते हैं, तथा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को किसानों को भेजते हैं। ब्लॉक स्तरीय मौसम पूर्वानुमान तथा कृषि मौसम परामर्शिकाएं किसानों को लघु स्तर पर अपने दैनिक कृषि कार्यों सम्बन्धी निर्णय लेने में उनकी सहायता करती हैं। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (NWFC), नई दिल्ली, तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मौसम केन्द्र (RMCs) एवं मौसम केंद्र (MCs) द्वारा देश के विभिन्न राज्यों एवं संघशासित राज्यों के विभिन्न जिलों हेतु जारी की गई प्रतिकूल मौसम चेतावनियों के आधार पर AMFUs तथा DAMUs द्वारा कृषि हेतु प्रभाव आधारित पूर्वानुमान (IBFs) भी तैयार किए जा रहे है।

किसानों तक कृषिमौसम परामर्शिकाएं पहुंचाने के लिए विविध प्रसार प्रणालियों का प्रयोग किया जाता है - जैसे कि प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूरदर्शन, रेडियो, इन्टरनेट, मोबाइल फोन पर एस.एम.एस. तथा किसान पोर्टल, और साथ ही सरकारी निजी साझेदारी (PPP) मोड के अन्तर्गत निजी कम्पनियों के माध्यम से परामर्शिकाएं भेजी जाती हैं। एसएमएस प्राप्त करने वाले किसानों की संख्या कृषक समुदाय की जनसंख्या तथा खेती वाले क्षेत्र के आधार पर भिन्न–भिन्न होती है। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय द्वारा आरंभ किए गए किसान पोर्टल के माध्यम से चेतावनियों का नियमित प्रसार जून 2021 से रुका हुआ है। तथापि, निजी कंपनियों के माध्यम से किसानों को एसएमएस भेजा जाना जारी है।

सूचना संचार प्रौद्योगिकी (ICT) में बहुत अधिक उन्नति हो चुकी है, किसान अब पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के 'मेघदूत' नामक मोबाइल ऐप पर अपने जिले विशेष की कृषि मौसम परामर्शिकाएं और चेतावनी समेत मौसम सूचना प्राप्त करते हैं। किसान ये मौसमी जानकारियां 'किसान सुविधा' नामक एक अन्य मोबाइल ऐप के माध्यम से भी प्राप्त कर सकते हैं, यह ऐप कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने लॉन्च किया है।

किसानों तक पूर्वानुमान एवं परामर्शिकाओं के त्वरित प्रसार हेतु सोशल मीडिया का प्रयोग भी किया जाता है। वर्तमान में 16,132 व्हाट्सेप समूहों के माध्यम से 3,596 ब्लॉक के 1,19,534 गांवों के किसानों को कवर किया गया है। इन व्हाट्सेप समूहों में जिला एवं ब्लॉक स्तर के राज्य कृषि विभाग अधिकारियों को भी शामिल किया गया है। व्हाट्सऐप के माध्यम से कृषिमौसम परामर्शिकाएं प्रसारित किए जाने वाले गावों तथा किसानों की संख्या बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, AMFUs एवं DAMUs द्वारा बनाए गए विभिन्न फेसबुक पेजों के माध्यम से भी परामर्शिकाएं प्रसारित की जा रही हैं। राज्य सरकार के मोबाइल ऐप्स एवं वेबसाइट्स के साथ मौसम पूर्वानुमान एवं कृषिमौसम परामर्शिकाओं के एकीकरण हेतु राज्य सरकारों के साथ सहयोग सम्बन्धी पहल की गई हैं। बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, नगालैंड, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तराखण्ड राज्यों में एकीकरण पूरा किया जा चुका है, तथा उपर्युक्त राज्यों के 6 मिलियन किसानों को मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि मौसम परामर्शिकाओं से लाभ मिल रहा है।

(ग) जी, हां। GKMS स्कीम के अन्तर्गत, प्रत्येक नव स्थापित DAMUs पर एक एग्रो-ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन (एग्रो-AWS) इंस्टॉल किया गया है, ताकि विभिन्न मौसमी मानदण्डों समेत वर्षा, तापमान, आर्द्रता, एवं पवन गति सम्बन्धी सूचना सृजित की जा सके। अन्य मौसम संवेदकों (वेदर सेंसर्स) के अतिरिक्त, कृषि-AWSs एक मीटर की गहराई में मृदा नमी एवं मृदा तापमान सेंसर से सुसज्जित हैं, क्योंकि कृषि स्तर जोखिम प्रबन्धन सम्बन्धी निर्णय लेने के लिए ये मानदण्ड बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। देशभर में 200 एग्रो-AWSs पहले ही संस्थापित किए जा चुके हैं।

(घ) तमिलनाडु में, कृषि विकास केन्द्रों के परिसर में 10 एग्रो-AWSs स्थापित किए गए हैं, जहां DAMUs स्थापित किए गए हैं। तमिलनाडु में संस्थापित किए हुए एग्रो-AWS का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

GKMS स्कीम के अन्तर्गत तमिलनाडु में नए संस्थापित किए गए एग्रो-AWS वाले जिलों की सूची

क्र.सं.	जिला	कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम
1	कुड्डालोर	केवीके, वृधाचलम
2	पुडुकोट्टई	केवीके पुडुकोट्टई
3	*रामनाथपुरम	केवीके रामनाथपुरम
4	विरुधुनगर	केवीके अरुप्पुकोट्टई
5	वेल्लूर	केवीके विरिंजीपुरम
6	थिरुवल्लूर	केवीके तिरूर
7	कांचीपुरम	केवीके कट्टुपक्कम
8	धर्मपुरी	केवीके पपरापाटी
9	सेलम	कृषि विज्ञान केंद्र, जिला, सेलम
10	तिरुचिरापल्ली	केवीके सिरूगमानी

*****